| दिनांक | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील मे जारी हुए |
|---|---|---|
| 7-6-24 | वाद / प्रार्थनापत्र बाद जॉच प्रस्तुत हुआ दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षीगण को सम्मन नोटिस जारी किये जावें । पत्रावली दिनांक 18-6-24 को पेश हो।<br><br>(हस्ताक्षर)<br>उपखण्ड अधिकारी एवं<br>सहायक कलक्टर माण्डल | |
| 18/6/24 | पत्रावली पेश हुई, वकील प्रार्थीगण उपस्थित। विपक्षीगण के सम्मन बाद तामील होकर प्राप्त हुए जिसे शा० प० किये गये। विपक्षीगण को कितनी बार रुक रुक कर आवाजे दिलायी जाने के बाद भी उपस्थित नही, इनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही किये जाने का आदेश दिया जाता है वकील प्रार्थीगण का प्रा० प्रा० स्वीकार किया जाकर निर्णय पृथक से लिखा जाकर शा० प० किया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।<br><br>(हस्ताक्षर)<br>उपखण्ड अधिकारी<br>मांडल जिला भीलवाड़ा | |

Signature Not Verified

Digitally signed by Manoj
Date: 2024.08.02 11:10:07 IST
Reason: SelfAttested

राजस्थान –सरकार

# न्यायालय उपखण्ड अधिकारी माण्डल जिला भीलवाड़ा

पीठासीन अधिकारी– मनोज, आर.ए.एस.

मुकदमा संख्या – 216/24 प्रा०पत्र

1– श्रीमती केसी w/o श्री समदु माली निवासी- माण्डल तहसील-माण्डल [वगैरा]

–प्रार्थी

बनाम

1– श्री गणेश S/o श्री धन्ना माली निवासी- माण्डल तहसील-माण्डल [वगैरा] (सहलंकित प्रा०पत्र सलंग्न)

–विपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 रा.भू.रा.अधि. 1956

दिनांकः– 18-6-24

::आदेश::

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 रा.भू.रा.अधि. 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम......माण्डल......पटवार हल्का......माण्डल I......तहसील माण्डल में उसके खाते /संयुक्त खाते की आराजी न0 ......4741......कुल किता......01......रकबा......0.0253......हेक्टेयर स्थित है। वादग्रस्त भूमि के विपक्षीगण के मध्य आराजी मुतदायिवा के सीमा चिन्ह नहीं होने से आये दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता रहता है। जिसमें प्रार्थी अपने खाते/संयुक्त खाते की भूमि की पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराये जावें।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक ......05-06-24......को पंजीबद्व किया जाकर प्रकरण को अवलोकनार्थ से यह बात सिद्ध है कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थी एवं कब्जे काश्त काश्त की होने से पत्थरगढी कराने का अधिकारी है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकारी निर्धारित किये जाते है। अतः इन तथ्यों को देखते हुए नैसर्गिक की न्यायिक सिद्वान्त के आधार पत्र स्वीकार योग्य है।

::आदेश::

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 रा.भू.रा.अधि. 1956 का स्वीकार किया जाकर ग्राम......माण्डल......पटवार हल्का......माण्डल I......तहसील माण्डल में उसके खाते/संयुक्त खाते की आराजी नं......4741......कुल किता......01......रकबा......0.0253......हेक्टेयर भूमि के चारों तरफ सीमा की पुख्ता जानकारी किये जाने हेतु पत्थरगढी किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु भू–अभिलेख निरीक्षक......माण्डल......को......500......रुपये/– कमिश्नर फीस पर कमिश्नर फीस जमा होने पर पक्षकरान् की मौजुदगी में मौके व कब्जे की यथास्थिति को बनाये रखते हुए मुस्तकील बिन्दु को आधार मानकर पत्थरगढी की जावें। फसल खडी होने पर पत्थरगढी नहीं की जावें।

उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला भीलवाड़ा

प्रतिलिपिः– तहसीलदार माण्डल को भेजकर लेख है कि प्रार्थी द्वारा [illegible] नियमानुसार पत्थरगढी की जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करें।

Signature Not Verified

Digitally signed by Manoj
Date: 2024.08.02 11:10:07 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला भीलवाड़ा